Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________

(In words)

Test Booklet No.

J—9107

PAPER—III

PRAKRIT

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

PRAKRIT

प्राकृत

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

पण्हपत्तं – III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

नोट : इमं पण्हपत्तं दु-सयाणं (200) अंकाणं अत्थि, यो चउभागे विभज्जिदो अत्थि। तम्हि समाहिदाणं पण्हाणं उत्तरं जहाणियमाणुसारेण हि अब्भत्थिणो लिहिदव्वं।

सव्वाणं पण्हाणं उत्तरं पाइय भासाए भासारा लिहिदव्वं।

SECTION - I
खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks. Answer all questions in Prakrit only. **(5x5=25 marks)**

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंको का है। सभी प्रश्नों के उत्तर केवल प्राकृत में ही दें। **(5x5=25 अंक)**

नोट : अम्हि खंडे णिम्मलिहिदे अणुच्छेदे पंच (5) पण्हा संति। पत्तेगपण्हस्स उत्तरं तिंसदि (30) सद्दे अपेक्खिदमत्थि। पत्तेगं पण्हं पंचाणं अंकाणं अत्थि। सव्वाणं पव्हाणं उत्तरं पाइय-भासाए लिहिदव्वं। **(5x5=25 अंका)**

एत्थ सत्थं समारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा अपरिण्णाता भवंति। एत्थ सत्थं असमारंभमाणस्स इच्चेते आरम्भा परिण्णाता भवंति।

तं परिण्णाय **मेहावी** नेव सयं पुढवि-सत्थं समारंभेज्जा, नेवण्णेहिं पुढवि-सत्थं समारंभावेज्जा, नेवण्णे पुढवि-सत्थं संमारंभंते समणुजाणेज्जा।

जस्सेते पुढवि-कम्म-समारंभा परिण्णाता भवंति, से हु मुणी परिण्णात-कम्मे।

Answer the following five questions keeping in view of the above text.
उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
उवरि उत्तं अणुच्छेदाधारेण अधोलिहिदाणं पंचाणं पण्हाणं उत्तराणि लिहिदव्वाणि।

1. Write a note on the language of the above passage.
उपर्युक्त अनुच्छेद की भाषा पर एक टिप्पणी लिखिये।
उवरि उतस्स गज्जस्स भासा-विसयगं टिप्पणं लिह।

2. Name the scripture from which the above passage is quoted.
उपर्युक्त गद्यांश किस आगम से उद्घृत है, नामोल्लेख कीजिये।
उवरि उत्तं अणुच्छेदं किमत्तो आगमतो उद्धरितो त्ति नामोल्लेखं कर।

3. For which one sensed living being the proof of consciousness is given in this passage.
यह गद्यांश किस एकेन्द्रिय जीव की चेतना को प्रमाणित करता है?
इमं गज्जं कस्स एगिंदियस्स जीवस्स चेदणं पमाणी करेदि?

4. Translate the underlined portion in Hindi or English.

रेखांकित अंश का हिन्दी अथवा अंग्रेजी में अनुवाद कीजिये।

रेखांकितस्स अंसस्स हिन्दी अहवा आंग्ल – भासम्हि अनुवादं कर।

5. Who can be called 'Medhāvi'(mehāvi) according to this passage ?

इस गद्यांश के अनुसार किसे 'मेधावी' (मेहावी) कहा जा सकता है?

अणेण अणुच्छेदानुसारेण को 'मेहावी' भण्णदे?

SECTION - II
खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks. Answer all questions in Prakrit only.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच (5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है। सभी प्रश्नों के उत्तर केवल प्राकृत में ही दें।

(5x15=75 अंक)

नोट : अम्हि खंडे पंच-पंच (5-5) अंकाणं पंचदहा (15) पण्हा संति। पत्तेगस्स पण्हस्स उत्तरं पायेण तिंसदि (30) सद्देसु अवेक्खिदमत्थि।

(5x15=75 अंका)

6. Name the kinds of Prakrit used in the Mṛcchakatika drama.

मृच्छकटिक नाटक में प्रयुक्त प्राकृतों के प्रकार बताइये।

'मृच्छकटिक' नाडगम्हि पयुत्ता पाइयभासाणं भेदा निरूवणीया।

7. Introduce any one of the Prakrit Epics.

प्राकृत महाकाव्यों में से किसी एक का परिचय दीजिये।

पाइय-महाकाव्वेसु कमवि एगस्स परिचयं लिह।

8. Write a note on Prakrit vowels.

प्राकृत स्वरों पर एक टिप्पणी लिखिये।

पाइयस्वराणामोवरि एगा टिप्पणी लिह।

9. Define 'Champu'.

'चम्पू' की परिभाषा दीजिये।

चम्पूए परिभासा लिह।

10. Disjoin the Sandhi (Sandhi-viccheda) in the following :

निम्नलिखित का संधि-विच्छेद कीजिये :

अहोलिहिताणं संधि-विच्छेदं कर :

(i) गंगाहिवइ (ii) नरीसर

11. Make the compounded form of the following :
निम्नलिखित के समस्त-पद बनाइये :
णिम्म्मालिहितस्स समत्तपदं लिह :
(i) गुरुणो समीवं (ii) जीणाणं इन्दो

12. Define '<u>Pudgala</u>'.
पुद्गल किसे कहते हैं? परिभाषा लिखिए।
पुग्गलस्स परिभासा लिह।

13. Describe the nature of Jiva according to Dravya-saṁgraha of Nemichandra.
नेमिचन्द्र रचित द्रव्यसंग्रह के आधार पर जीव के स्वरूप का निरूपण कीजिए।
णेमिचंद विरइयस्स दव्वसंगहस्स आधारे जीवस्स सरूवं णिरूवणीयं।

14. णाणं अट्ठवियप्पं मदि-सुद ओही अणाण-णाणाणि।
मणज्जय केवलमवि पच्चक्ख-परोक्खभेयं च।।
Translate the above verse.
उपर्युक्त गाथा का अनुवाद कीजिए।
उपरि उत्तस्स गाहाअ अणुवादं कर।

15. Give two examples of '<u>ya shruti</u>' in Prakrit language.

प्राकृत भाषा में '<u>य-श्रुति</u>' के दो उदाहरण दीजिये।

पाइय-भासाए '<u>य सुतिस्स</u>' दोण्णि उदाहरणाणि दाहि।

16. Decline the word '<u>bālā</u>'.

'<u>बाला</u>' शब्द के रूप लिखिये।

'<u>बाला</u>' त्ति सद्दस्स रूवं लिह।

17. Define gāthā chhanda giving an example.

गाथा छन्द का लक्षण और एक उदाहरण लिखिये।

गाहा-छन्दस्स (वृत्तस्स) लक्खणं लिहहि, एगं उदाहरणं च दाहि।

18. Define Kāla dravya according to Jain Philosophy.

जैन दर्शन के अनुसार 'काल द्रव्य' की परिभाषा दीजिए।

जैनदंसणाणुसारेण कालदव्वस्स परिभासा दाहि।

19. Translate the following into Prakrit :
निम्नलिखित का प्राकृत में अनुवाद कीजिए।
अहोलिहितस्स पाइयभासाए अणुवादं कर :

(i) मेरा किसी के साथ वैरभाव नहीं है।

(ii) वह तीन लोक में प्रिय है।

20. Conjugate the root अस 'Asa' in lat lakāra (present tense).

अस धातु के लट्लकार (वर्तमान काल) में रूप लिखिये।

अस धातुए लटलकारे रूवं लिहिह।

SECTION - III
खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered in about two hundred (200) words. Answer all questions in Prakrit only.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में बारह (12) अंकों के (5) पाँच प्रश्न है । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है. सभी प्रश्नों के उत्तर केवल प्राकृत में ही दें।

(12x5=60 अंक)

नोट : अम्हि खंडे बारस-बारस (12-12) अंकाणं पंच (5) पण्हा संति। पत्तेगस्स पण्हस्स उत्तरं पायेण दुसयेसु (200) सद्देसु अपेक्खिदमत्थि।

(12x5=60 अंका)

21. "Vedic - (Chhandasa) Language is a developed form of acient Prakrit language" explain.
''वैदिक (छान्दस) भाषा प्राचीन प्राकृत भाषा का विकसित रूप है'', समझाइये।
वेइय (छान्दस्) - भासा पुरातन-पाइअ भासाअ विगसितं रूवं अत्थि'' त्ति फुडं कर।

22. Describe any three salient features of 'Maharashtri Prakrit', give examples.
'महाराष्ट्री प्राकृत' की प्रमुख तीन विशेषताओं का सोदाहरण वर्णन कीजिए।
'महाराष्ट्री-पाइयस्स' ति पमुहं वइसिट्ठं सोदाहरणं लिह।

23. Write a note on Emperor Ashoka's fourteen (14) rock edicts of Girnara.
सम्राट अशोक के गिरनार के चौदह (14) शिलालेखों पर एक टिप्पणी लिखिये।
सम्राट् (समराड) असोगस्स चउदस (14) गिरणार-सिलालेहोवरि एगा टिप्पणी लिह।

24. Describe the prescribed rules for "Change of vowels" in Prakrit language, giving examples.
प्राकृत भाषा में 'स्वर-परिवर्तन' के नियमों को उदाहरण सहित समझाइये।
पाइय-भासाए 'सरपरिवत्तण' णियमा सोदाहरणं लिह।

25. Explain the following verse with reference to the context.
निम्नलिखित गाथा की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिये।
णिम्मलिहिदाअ गाहाअ ससंदब्भं अत्थं वित्थरेण लिह।

उप्पादो य विणासो विज्जदि सव्वस्स अट्ठजादस्स।
पज्जाएण दु केणवि अट्ठो खलु होदि सब्भूदो।।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics. Answer in Prakrit only.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है। केवल प्राकृत में ही उत्तर दें।

(40x1=40 अंक)

नोट : अम्हि खंडे चत्तालीस (40) अंकाणं एगो णिबंधात्मगो पण्हो अत्थि, जस्स उत्तरं अहोलिहितेसु विसएसु कमवि-एगे पायेण सहस्स (1000) सद्देसु लेहणं अवेक्खिदमत्थि। सव्वाणं पण्हाणं उत्तरं पाइय-भासाए लिहिदव्वं।

(40x1=40 अंका)

26. Write an essay on 'the HIstory of Prakrit Literature'.
'प्राकृत साहित्य का इतिहास' विषय पर एक निबन्ध लिखिये।
'पाइय-साहित्तस्स इदिहासो' त्ति विसए एगं णिबंधं लिह।

OR / अथवा

Write an essay on any one of the following :
निम्नलिखित में से किसी एक पर निबन्ध लिखिये।
अहोलिहिदे कमवि एगे विसए एगं णिबंधं लिह।

(i) Nonviolence/अहिंसा/अहिंसा
(ii) Ardhamāgadhi-āgamas/अर्धमागधी-आगम/अद्धमगही आगमा
(iii) Prakrit Language/प्राकृत-भाषा/पाइय-भासा
(iv) Prakrit Kathā Literature/प्राकृत कथा साहित्य/पाइय कहा साहित्तं
(v) Six Substances/षड्-द्रव्य/छद्दव्वं

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....